

(iii) कारक

वाक्य में आये पद के साथ अन्य पदों का जो संबंध होता है, या भिन्न-भिन्न पदों के बीच जो आपसी संबंध होता है - उस संबंध को कारक कहते हैं। कारक को पहचानने के लिए जिन शब्दांशों का प्रयोग किया जाता है उन्हें कारक-चिह्न या परसर्ग कहते हैं। ऐसे संबंधों की दृष्टि से हिन्दी में आठ कारक माने जाते हैं; वे हैं - कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण और सम्बोधन। प्रत्येक कारक के अलग-अलग कारक चिह्न हैं। ये चिह्न संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के बाद आते हैं। अतः इन्हें परसर्ग भी कहते हैं। केवल सम्बोधन कारक में ये चिह्न शब्द के पहले आते हैं।

कारकों के नाम

कारक-चिह्न

१.कर्ता -

ने,से,को,के

२.कर्म -

को,से

३.करण -

से

४.सम्प्रदान -

को, के लिए, के निमित्त

५.अपादान -

से,

६.सम्बन्ध -

का,के,की / रा,रे,री / ना,ने,नी

७.अधिकरण -

में, पर, को

८.सम्बोधन -

हे, अरे, ओ, जी, ए, हलो

१.कर्ता कारक : वाक्य में जिस पद के द्वारा क्रिया का सम्पादन होता है, उसे कर्ता कहते हैं; जैसे -

लीला पढ़ती है। (परसर्ग रहित)

गोपाल ने कॉपी खरीदी। (परसर्ग सहित)

मुझसे चला नहीं जाता। (परसर्ग सहित)

आपको जाना पड़ेगा। (परसर्ग सहित)

सुधा के एक बेटा है। (परसर्ग सहित)

२. **कर्म कारक** : जिस संज्ञा या सर्वनाम पर क्रिया-व्यापार का फल या प्रभाव पड़ता है, वह कर्म कारक होता है; जैसे —

लड़का फल खाता है। (परसर्ग रहित)

माँ बेटे को बुलाती है। (परसर्ग सहित)

छात्र शिक्षक से पूछता है। (परसर्ग सहित)

(कर्म दो प्रकार के होते हैं - (i) मुख्य कर्म (अप्राणिवाचक कर्म)

(ii) गौण कर्म (प्राणिवाचक कर्म)

३. **करण कारक** : जिस संज्ञा या सर्वनाम पद से क्रिया के साधन का बोध होता है, उसे करण कारक कहते हैं; जैसे —

मैं कलम से लिखता हूँ।

तुम पत्र के द्वारा यह बात बता दो।

४. **सम्प्रदान कारक** : जिसे कुछ दिया जाय या जिसके लिए कुछ किया जाय, उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं; जैसे —

भिखारी को भीख दो।

पिताजी बेटी के लिए कलम लाये।

लोग सुख शान्ति के निमित्त काम करते हैं।

५. **अपादान कारक** : जिस संज्ञा या सर्वनाम से क्रिया व्यापार के अलग होने का बोध होता है, उसे अपादान कारक कहते हैं; जैसे —

हिमालय से गंगा निकली है।

पेड़ से पत्ता गिरा।

६. **सम्बन्ध कारक** : जिस संज्ञा या सर्वनाम से उसका संबंध क्रिया से भिन्न किसी दूसरे शब्द (संज्ञा / सर्वनाम) के साथ सूचित होता है, उसे संबंध कारक कहते हैं; जैसे —

★ गोपाल का भाई जा रहा है।

रीता की बहन पढ़ रही है।

मकान के कमरे खुले हैं।

★ मेरा नाम लीला है ।
मेरी बहन शीला है ।
मेरे सभी मामा आयेंगे ।

★ वह अपना काम करता है ।
मैं अपनी किताब पढ़ता हूँ ।
सब अपने-अपने काम में लग गये ।

७. अधिकरण कारक : जिस संज्ञा या सर्वनाम से क्रिया-व्यापार के आधार का बोध होता है, उसे अधिकरण कारक कहते हैं ; जैसे —

ग्लास में पानी है ।
मेज पर कागज है ।
तुम शाम को आओ ।

८. सम्बोधन कारक : जिस संज्ञा से किसी को पुकारने का बोध होता है, उसे सम्बोधन कारक कहते हैं ; जैसे —

ऐ लड़के! इधर आ ।
अरे मधु! मेरी बात सुन ।
ए / ओ भाई! जरा सुनो तो ।
हलो यार! मेरे पास आ जाओ ।

■ ■ ■

अभ्यास

१. निम्नलिखित तालिका से सही वाक्य बनाइए -

लड़के शिशु बूढ़े पिताजी	ने	एक आम दूध बोझ पत्र	खाया । पिया था । उठाया । लिखा ।
माँ तुम मैं प्रसाद जी		पपीते सारे केले कई लेख कई नाटक	खरीदे । खाये होंगे । पढ़े हैं । लिखे हैं ।
लड़कियों हम डॉक्टर नौकर		किताब एक जलेबी मरीज की रिपोर्ट चिट्ठी	बेची थी । खायी है । लिख दी । ली ।
बच्चों महिलाओं लड़कों उन्हें		जलेबियाँ कई फिल्में कहानियाँ पुस्तकें	खायीं । देखी थीं । पढ़ी होंगी । पढ़ लीं ।

२. निम्नलिखित तालिका से सही वाक्य बनाइए -

बच्चे	ने	खाया ।
बच्चों		खाया ।
लड़की		पढ़ा ।
लड़कियों		पढ़ा ।
लड़का		गया ।
लड़के		गये ।
लड़की		गयी ।
लड़कियाँ		गयीं ।

३. निम्नलिखित क्रियाओं में से अकर्मक और सकर्मक क्रियाओं को छाँटकर सामान्य भूतकाल में एक एक वाक्य बनाइए —

खाना, पढ़ना, दौड़ना, लिखना, कूदना, आना, देखना, पीना, सुनना, तैरना

उदाहरण - गोपाल ने चित्र बनाया।

गोपाल ने तस्वीर बनायी।

गोपाल दौड़ा।

मालती दौड़ी।

४. नीचे दी गयी तालिका से सही वाक्य बनाइए —

(क)	कर्त्ता	कर्म	परसर्ग	क्रिया
	पिताजी	बेटी		बुला रहे हैं।
	मैंने	मोहन		देखा।
	माँ	शिशु	को	सुलाती है।
	सिपाही ने	चोर		पकड़ा।
	उसने	जूतों		चमकाया।

(ख)	कर्त्ता	सम्प्रदान	परसर्ग	क्रिया
	राजा ने	गरीबों		दान दिया।
	सेठ	भिखारी	को	वस्त्र देंगे।
	बच्चे	गुरुजनों		प्रणाम करते हैं।

(ग)	कर्त्ता	अधिकरण	परसर्ग	क्रिया
	वह	दोपहर		आएगा।
	लड़की	सोमवार	को	जाएगी।
	हम	चौदह नवम्बर		(बालदिवस) मनाते हैं।

५. नीचे दी गयी तालिका से सही वाक्य बनाइए —

(क)	तुम वह चमेली धीरेन	चाकू कलम हैजे हाथ	से	आम पत्र कल खाना	काटो । लिखता है । चल बसी । पकाता है ।
-----	-----------------------------	----------------------------	----	--------------------------	--

(ख)	परीक्षा लड़की पिताजी मधु बहू तुम	सोमवार छत घर विधु सास छिपकली	से	शुरू होगी । गिर पड़ी । निकल गये । तेज दौड़ता है । लजाती है । डरते हो ।
-----	---	---	----	---

६. नीचे दी गयी तालिका से सही वाक्य बनाइए —

(क)	यह	राम गोपाल सुरेश कमला आप	का	मकान लड़का नौकर भाई पंखा	है ।
-----	----	-------------------------------------	----	--------------------------------------	------

(ख)	ये	उन घर मकान दिनेश आप	के	मोजे केले दरवाजे भाई जूते	हैं ।
-----	----	---------------------------------	----	---------------------------------------	-------

(ग)		आप		कुर्सी	
	वह	मोहन	की	बहन	है।
		गोपाल		काँपी	
		ओड़िशा		नदी	

(घ)		राम		कुर्सियाँ	
	वे	गोपाल	की	बहनें	हैं।
		उस		काँपियाँ	
		देश		नदियाँ	

७. नीचे दी गयी तालिका से सही वाक्य बनाइए —

(क)	किताबें	आलमारी		हैं।
	कपड़े	बक्से		हैं।
	सरोज	घर	में	है।
	राजू	चिन्ता		है।
	कलम	जेब		है।

(ख)	किताब	मेज		है।
	बन्दर	पेड़		बैठा है।
	हम	सत्य	पर	अड़िग हैं।
	तुम	जीवों		दया करो।
	वह	रेडियो		(समाचार) सुनता है।

८. सही परसर्ग लगाकर वाक्यों के रिक्त स्थान भरिए —

- (i) बगीचेबहुत फूल खिले हैं।
- (ii) मुझ भरोसा रखो।
- (iii) माँ शिशु ... दूध पिलाया।
- (iv) गोपाल तेजी काम करना पड़ेगा।
- (v) रोगी चला नहीं जाता।
- (vi) तुम उस क्यों पीटा ?
- (vii) वह ट्रेन लोगों देख रहा है।
- (viii) तालाब मछलियाँ तैरती हैं।
- (ix) शहीदों सलामी दी गयी।
- (x) मोहन बहन नाचती है।
- (xi) हरीश भाई नर्वी कक्षा पढ़ता है।
- (xii) आप कमरे बन्द हैं।

९. खाली जगहों पर का / के / की का प्रयोग कीजिए —

- (i) रजनी चंद्रिका
- (ii) परम पिता इच्छा
- (iii) इस चमक
- (iv) रक्त प्यास
- (v) महिलाओं कमरे
- (vi) प्राणों रक्षा
- (vii) डोलियों ताँता
- (viii) उन हृदय
- (ix) दया पात्र
- (x) गुरु उपदेश

■ ■ ■

संज्ञाओं की रूपावली

लिंग, वचन, कारक के आधार पर संज्ञा शब्दों के चार वर्ग बनते हैं — अकारांत पुलिंग, आकारांत पुलिंग, अकारांत स्त्रीलिंग, इकारांत स्त्रीलिंग । नीचे संज्ञाओं की रूपावली के कुछ उदाहरण दिये गये हैं —

अकारांत पुलिंग 'बालक'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	बालक / बालक ने	बालक / बालकों ने
कर्म	बालक को	बालकों को
करण	बालक से/के द्वारा	बालकों से / के द्वारा
संप्रदान	बालक को/के लिए	बालकों को / के लिए
अपादान	बालक से	बालकों से
सम्बन्ध	बालक का/के/की	बालकों का / के / की
अधिकरण	बालक में / पर	बालकों में / पर
सम्बोधन	हे बालक !	हे बालको !

- इकारांत (मुनि, अतिथि), ईकारांत (भाई, आदमी), उकारांत (शिशु, गुरु), ऊकारांत (डाकू, भालू), ओकारांत (कोदों), औकारांत (जौ), आकारांत तत्सम शब्द (अभिनेता, कर्त्ता, दाता, पिता, राजा, विक्रेता); रिश्तेसूचक शब्द (काका, जीजा, दादा, नाना, मामा, बाबा, मुखिया) जैसे शब्द पुलिंग शब्दों की रूपावली 'बालक' की तरह होती है ।

(ध्यान देने की बात यह है कि दीर्घ ई / ऊ कारांत शब्द को बहुवचन बनाते समय दीर्घ स्वर ह्रस्व इ/उ में बदल जाते हैं । इ/ई कारांत का बहुवचनांत प्रत्यय 'ओं' की जगह 'यों' हो जाता है; जैसे — हाथी ने - हाथियों ने, भालू ने - भालुओं ने)

आकारांत पुंलिंग 'लड़का'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	लड़का / लड़के ने	लड़के/लड़कों ने
कर्म	लड़के को	लड़कों को
करण	लड़के से/लड़के के द्वारा	लड़कों से/लड़कों के द्वारा
संप्रदान	लड़के को/लड़के के लिए	लड़कों को / लड़कों के लिए
अपादान	लड़के से	लड़कों से
सम्बन्ध	लड़के का / के / की	लड़कों का / के / की
अधिकरण	लड़के में/लड़के पर	लड़कों में / लड़कों पर
सम्बोधन	हे लड़के!	हे लड़को !

अकारांत स्त्रीलिंग 'बहन'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	बहन/ बहन ने	बहनें / बहनों ने
कर्म	बहन को	बहनों को
करण	बहन से / के द्वारा	बहनों से / के द्वारा
संप्रदान	बहन को / के लिए	बहनों को / के लिए
अपादान	बहन से	बहनों से
सम्बन्ध	बहन का / के / की	बहनों का / के / की
अधिकरण	बहन में / पर	बहनों में / पर
सम्बोधन	हे बहन !	हे बहनो !

आकारांत (बालिका, माता), उकारांत (धेनु, धातु), ऊकारांत (बहू), औकारांत (गौ) जैसे स्त्रीलिंग शब्दों की रूपावली 'बहन' की रूपावली की तरह होती है। दीर्घ ऊकारांत स्त्रीलिंग शब्दों को बहुवचन बनाते समय दीर्घ ऊकार ह्रस्व उ कार में बदल जाता है।

इकारांत स्त्रीलिंग 'जाति'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	जाति / जाति ने	जातियाँ / जातियों ने
कर्म	जाति को	जातियों को
करण	जाति से / के द्वारा	जातियों से / के द्वारा
संप्रदान	जाति को / के लिए	जातियों को / के लिए
अपादान	जाति से	जातियों से
सम्बन्ध	जाति का / के / की	जातियों का / के / की
अधिकरण	जाति में / पर	जातियों में / पर
सम्बोधन	हे जाति!	हे जातियो!

ईकारांत (नदी, लड़की) तथा 'या' में अंत होने वाले (बुढ़िया, गुड़िया) स्त्रीलिंग शब्दों की रूपावली 'जाति' की रूपावली की तरह ही होती है। दीर्घ ईकारांत स्त्रीलिंग शब्दों को बहुवचन बनाते समय दीर्घ ईकार ह्रस्व 'इ' कार में बदल जाता है।

अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों की रूपावली सभी कारकों और दोनों वचनों में लिखिए—
नौकर, पुस्तक, बालिका, घोड़ा, पति, भाई, नदी, शिशु, बहू, गौ
- निम्नलिखित शब्द किस कारक और किस वचन में हैं, लिखिए —
माली से, बहनों की, डाकू के द्वारा, मामा को, दादाओं का, हे लड़को! हे बालक ! हे बालिकाओ! पुत्री पर, कवियों ने, मुखिया का।

■ ■ ■